

प्रेषक,

सुशांत पटनायक
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

अपर प्रमुख वन संरक्षक
नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन
उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 14 दिसम्बर, 2010

विषय:-वन विभाग के अनुदान सं0-27 के चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में आयोजनेत्तर पक्ष के अन्तर्गत वेतन मदों हेतु पुनर्विनियोग से वित्तीय स्वीकृति निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में.

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं0-नि.692/3-3(1) दिनांक 20 नवम्बर, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के आयोजनेत्तर पक्ष में संचालित "सामान्य अधिष्ठान" योजना के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में पूर्व में निर्गत शासनादेश सं0-ब-110/X-2-2010-12(14)/2010 दिनांक 15 अप्रैल, 2010 से मानक मद 06-अन्य भत्ते में निर्गत कुल वित्तीय स्वीकृति ₹1210.00 लाख में से हो रही बचतों के क्रम में संलग्न बी0एम0-15 प्रारूप पर अंकित विवरणनुसार पुनर्विनियोग करते हुए ₹3,70,00,000/- (₹ तीन करोड़ सत्तर लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

1. उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं0-187/XXVII(1)/2010, दिनांक 30 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथा स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय. शासन द्वारा वांछित सूचनार्य एवं विवरण/मासिक प्रगति विवरण निर्धारित प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
2. बजट प्रावधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है. अतः बजट प्रावधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय.
3. आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी0एम0-17 पर प्रत्येक माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा.
4. बी0एम0-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 20 तारिख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय.
5. व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है. अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय. इस सम्बन्ध में वेतन आदि मदों के अतिरिक्त शेष मदों में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल शीर्षक/मदवार बचत की कार्ययोजना बना ली जाय तथा तदनुसार विशेषकर आयोजनेत्तर पक्ष में बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बचत किया जाना सुनिश्चित किया जाय.
6. योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय.
7. धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता ही किया जायेगा.

क्रमशः... 2

8. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.
9. अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्रावधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय.

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-27 के लेखाशीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01-वानिकी 001-निदेशन तथा प्रशासन 03-सामान्य अधिष्ठान हेतु निम्नलिखित तालिका में अंकित विवरणानुसार संगत मदों के नामे डाला जायेगा:-

(धनराशि ₹ हजार में)		
क्र.सं.	मानक मद	वर्तमान प्रस्ताव
1	2	3
1	वेतन	27000
2	महंगाई	10000
	योग	37000

(वर्तमान प्रस्ताव ₹ तीन करोड़ सत्तर लाख मात्र)

3- ये आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-213(NP)/XXVII(4)/2010, दिनांक 10 दिसम्बर, 2010 द्वारा प्रदत्त उनकी सहमति के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं.

संलग्नक-यथोपरि.

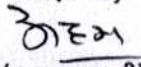
भवदीय,

(सुशांत पटनायक)
अपर सचिव

संख्या-520(1)/X-2-2010, तददिनांकत.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून.
2. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
3. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड.
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
8. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
9. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून.
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
13. गार्ड फाईल.

आज्ञा से,

(अहमद अली)
अनु सचिव

आय-व्ययक प्रपत्र-15

पुनर्विनियोग विवरण पत्र 2010-11

अनुदान संख्या-27 राजस्व लेखा

आयोजनेत्तर

नियंत्रक अधिकारी-अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड (धनराशि ₹ हजार में)

क्रम सं०	बजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण	मानक मदवार अद्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस) धनराशि	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	
1-	2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01-वानिकी 001-निर्देशन तथा प्रशासन 03-सामान्य अधिष्ठान 06-अन्य भत्ते 121000	43384	40616	37000	2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01-वानिकी 001-निर्देशन तथा प्रशासन 03-सामान्य अधिष्ठान 01-वेतन 27000 03-महंगाई भत्ता 10000	1077000	84000	क-आवश्यकता न होने के कारण बचता है. ख-01-वेतन तथा 03-महंगाई भत्त मद में धनराशि की आवश्यकता है.
योग	121000	43384	40616	37000	37000	1452000	84000	•

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विनियोग से बजट मैन्युअल के प्रस्तर 150, 151, 155 एवं 156 में उल्लिखित प्रावधानों का उल्लंघन नहीं होता है.

(सुशांत पटनायक)

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-4

संख्या- 243-A/XXVII(4)/2010 दिनांक 10 दिसम्बर, 2010

पुनर्विनियोग स्वीकृत

(एम0सी0 जोशी)

अपर सचिव (वित्त)

उत्तराखण्ड शासन

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

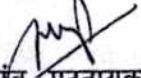
संख्या- 520 (2)/X-2-2010-12(14)/2010 दिनांक 14 दिसम्बर, 2010

लिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

महालेखाकार (लेखा एवं लेखा-परीक्षा), उत्तराखण्ड, देहरादून.

2. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
5. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.

आज्ञा से,


(सुशांत पटनायक)

अपर सचिव